P.V.G.'s

Muktangan English School & Jr. College,

44, Vidyanagari, Parvati, Pune - 411009.

Formative Written Test - I (2025-26)

Standard - VIII

Subject : Hindi (Composite) Marks : 10

Date : 08|08|2025 Time : 9.45 am to 10.45 am

सूचना : शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग १ – गद्य

कृति १) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

दोपहर का वक्त आया । लकड़हारे को खाना पकाने की फिक्र हुई । उसके पास छोटी-सी हाँड़ी थी । आग सुलगाकर उसे चूल्हे पर रखा और उसमें आलू उबालने के लिए रख दिए । गीली लकड़ी थी इसलिए आग बार-बार ठंडी हो जाती तो लकड़हारा मुँह से फूँककर तेज कर देता था । बालिश्तिये ने दूर से देखकर अपने जी में कहा – अब यह फिर फूँकता है । क्या इसके मुँह से आग निकलती है? मगर चुपचाप बैठा देखता गया । लकड़हारे को भूख ज्यादा लगी थी इसलिए चढ़ी हुई हाँड़ी में से एक आलू, जो अभी पूरे तौर पर पका भी न था, निकाल लिया । उसे खाना चाहा तो वह ऐसा गरम था जैसे आग । उसने मुश्किल से उसे अपनी एक उँगली और अँगूठे से दबाकर तोड़ा और मुँह से 'फूँ-फूँ' करके फूँकने लगा ।

अ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए । (1)

१) वक्त –

२) फिक्र –

आ) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए । (1)

१) उँगली – २) लकडी –

इ) नीचे दिए गए विराम चिह्नों के नाम लिखिए । (1)

	चिह्न	नाम
१)	?	
२)	,	

ई) अभिव्यक्ति

'लकडहारें की खाना पकाने की तैयारी' के बारे में इस परिच्छेद के आधार पर अपने विचार छह से (2) आठ पंक्तियों में लिखिए ।

विभाग – २ पद्य

प्र.२) निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर कृतियाँ कीजिए ।

जलाते हो क्यों तुम दीप स्नेह भर-भर,
अपने दिलों के दीप तो जलाओ ।
सजाते हो तुम सब उजालों से घर क्यों,
अँधेरे हृदय में उजाला तो लाओ ।
कहीं तो दीवाली, कहीं सूनापन है,
कहीं झूमें खुशियाँ कहीं गम ही गम है,
उन दीन-दुखियों के दुख को मिटाओ,
अपने दिलों के दीप तो जलाओ ।
न फुलझड़ियाँ चमकाओ, न फोड़ो पटाखे,
भोजन नहीं जिनके, दे आओ जा के ।
उनके जखमों पर मलहम लगाओ,
अपने दिलों के दीप तो जलाओ ।

अ) निम्नलिखित वाक्यों के सामने सही अथवा गलत लिखिए । (1)

१) कवि ने हमें अपने दिलों के दीप जलाने के लिए कहा है । – ☐

२) कवि ने दीन-दुखियों को दुख देने के लिए कहा है । – ☐

आ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए । (1)

१) फुलझड़ी – २) दीप –

इ) पद्यांश के आधार पर दो शब्दयुग्म की जोडियाँ ढूँढकर लिखिए । (

१) ☐ २) ☐

ई) उपर्युक्त पद्यांश में से इन पंक्तियों का सरल अर्थ ६-८ पंक्तियों में लिखिए । (

कहीं तो दीवाली, कही सूनापन है,
कहीं झूमें खुशियाँ कहीं गम ही गम है,
उन दीन-दुखियों के दुख को मिटाओ,
अपने दिलों के दीप तो जलाओ ।

♦